www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 June 25, 2006 Shift 1 Sociology Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—0506

PAPER—III

Time : 2½ hours] **SOCIOLOGY** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and answer the questions :

Habermas develops a typology of different forms of knowledge : empirical analytical knowledge, hermeneutics, and critical theory. Habermas claims that these three types of knowledge are linked to three forms of a priori interests. These interests are 'basic orientations' tied to essential conditions of reproduction and self-constitution of the human species. Empirical-analytical knowledge aims at control and prediction, whereas hermeneutics aims at understanding. Critical theory attempts to emancipate, and it relies upon a combination of empirical-analytical and hermeneutic knowledge. To emancipate is to question presuppositiones that previously were taken for granted, and to eliminate socio-psychological constraints. In Habermas's systemic terms, emperical analytical knowledge operates at the level of "instrumental action" or "work" hermeneutics at the level of "language" and "interaction" and critical theory deals with "asymmetrical relations" or "power".

Prepp
Your Personal Exams Guide

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

हेबरमास ने ज्ञान के भिन्न स्वरुपों का एक वर्गीकरण विकसित किया है। ये वर्गीकरण है-अनुभवमूलक-विश्लेषणात्मक ज्ञान, शब्दार्थ मीमांसा और समीक्षात्मक सिद्धान्त। हेबरमास की मान्यता है कि ज्ञान के इन तीनों वर्गों का पूर्वत: हितों में तीन स्वरुपों से सम्बंध है। ये हित 'मूल कसौटी' हैं जो पुन: उत्पादन की अनिवार्य शर्तों एवं मानव जाति की आत्म-रचना से जुड़ा हुआ है। अनुभवमूलक -विश्लेषणात्मक ज्ञान का उद्देश्य है नियन्त्रण एवं पूर्व कथन जबकि शब्दार्थ मीमांसा का उद्देश्य है अर्थ समझना। समीक्षात्मक सिद्धान्त का यह ध्येय रहता है कि अर्थ को मुक्त किया जाए और ऐसा करने में वह अनुभवमूलक-विश्लेषणात्मक ज्ञान एवं शब्दार्थ-मीमांसा दोनों का आश्रय लेता है। अर्थ की मुक्ति का यह भाव है कि उन पूर्व-कल्पनाओं, जिन्हें पीछे सत्य मान लिया गया था, उन पर किन्तु किया जाए और सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दबावों को समाप्त किया जाए। हेबरमास की व्यवस्था सम्बन्धी शब्दावली में, अनुभवमूलक विश्लेषणात्मक ज्ञान 'यांत्रिक क्रिया' अथवा 'कार्य' के स्तर पर काम करता है। शब्द-मीमांसा 'भाषा' और 'अन्तर्संवाद' के स्तरों पर तथा समीक्षात्मक सिद्धान्त 'गैर समरुप सम्बन्धों' अथवा 'क्षमता' के स्तर पर काम करता है।

1. What is Habermas's contribution to social sciences ?
हेबरमास का सामाजिक विज्ञानों में क्या योगदान है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2. How does critical theory help in the emancipation of the individual ?

समीक्षात्मक सिद्धान्त किस प्रकार किसी व्यक्ति को मुक्ति में सहायक होता है?

3. In what way hermenutics differ from empirical-analytical knowledge ?

शब्द–मीमांसा और अनुभवमूलक–विश्लेषणात्मक ज्ञान में क्या अन्तर है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

4. How are types of knowledge related to types of a priori interests in social sciences ?

सामाजिक विज्ञानों में पूर्वत: हितों का ज्ञान के वर्गों से क्या सम्बन्ध है?

5. Why does Habermas consider critical theory as an improvement over empirical analytical knowledge ?

हेबरमास समीक्षात्मक सिद्धान्त को अनुभवमूलक विश्लेषणात्मक ज्ञान से बेहतर क्यों मानता है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What do you understand by Habermas's theory of "communicative action" ?

हेबरमास के ''संचारात्मक क्रिया'' के सिद्धान्त से आप क्या समझते है?

Prepp
Your Personal Exams Guide

7. What do you understand by Giddens Theory of structuration ?
गिडिंस के ''स्ट्रकचरेशन'' सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं?

8. What is Indological Perspective ? How does it view Indian society ?
भारतीय विद्या परिप्रेक्ष्य क्या है? भारतीय समाज को यह किस ढंग से देखता है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

9. Bring out D. P. Mukherjee's contribution to the understanding of Indian society ?
भारतीय समाज को समझने में डी.पी. मुखर्जी की क्या देन है?

10. Is corruption a social issue ? How can we eliminate it ?
क्या भ्रष्टाचार एक सामाजिक मुद्दा है? इसको कैसे खत्म किया जा सकता हैं?

www.prepp.in

11. Are urban slums a necessary evil ? Give reasons for your answer.

क्या शहरी मलिन बस्तियां एक आवश्यक बुराई है? अपने उत्तर के लिए तर्क प्रस्तुत करें।

12. What are the social consequences of displacement.

विस्थापन के क्या सामाजिक परिणाम हैं?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

13. Explain how Dalit Women are subjected to double oppression of caste and gender.

दलित महिलाओं का जाति तथा लैंगिक स्थितियों के कारण कैसे दोहरा शोषण होता है?

14. Explain the different forms of deviance.

विचलन के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिये।

www.prepp.in
Prepp Your Personal Exams Guide

15. Examine the role of Panchayats in the democratization of Indian Polity.
पंचायतें भारतीय सियासत का किस तरह गणतन्त्री-करण करती है?

16. Examine the extent to which India is a secular state.
भारत किस हद तक धर्म निरपेक्ष है? विवेचना कीजिये।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

17. What is "White collar crime"? List the different forms of white-collar crime prevalent in India.

''सफेद पोश अपराध'' क्या है? भारत में विभिन्न प्रकार के सफेद पोश अपराधों की सूची बनायें।

18. Why is tribal unrest always seen as a law and order problem ?

जनजातीय असन्तोष क्यों हमेशां कानून व्यवस्था का विषय माना जाता है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

19. Write a note on the declining sex-ratio in India.

भारत में गिरती लिंग अनुपात की विवेचना कीजिये।

20. Give the reasons for the failure of poverty alleviation programmes in India.

निर्धनता हटाने के कार्यक्रमों की असफलता के क्या कारण हैं?

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

Rural Sociology

ग्रामीण समाजशास्त्र

21. Discuss the importance of peasant studies in understanding rural society.
ग्रामीण समाज को समझने में किसान अध्ययन का क्या महत्व है, इसकी विवेचना कीजिये।

22. Discuss the impact of migration on the social mobility of rural poor.
ग्रामीण निर्धनों की सामाजिक गतिशीलता पर प्रव्रजन के प्रभाव की विवेचना करें।

23. Analyse the causes and consequences of factionalism in rural society in India.
भारतीय ग्रामीण समाज में गुटवाद के कारणों तथा परिणामों की विवेचना करें।

24. Discuss the socio-economic factors causing de-peasontisation in Indian villages.
ग्रामीण भारत में किसान लोप के सामाजिक और आर्थिक कारणों का विश्लेषण करें?

25. Explain how the mode of production in agricultural sector determines agrarian relations in Indian society.
भारतीय समाज में, कृषि क्षेत्र की उत्पादन पद्धति किस प्रकार कृषि सम्बन्धों का निर्धारण करती है, विवेचना करें।

OR / अथवा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Elective - II

विकल्प – II

Industry and Society

उद्योग और समाज

21. What is meant by an Organisation ? Explain the significance of Line, Functional and Line and Staff organisation, pertaining to worker-management relations in an industry.

संगठन का क्या अर्थ है? उद्योग में श्रमिक–प्रबन्धन संम्बन्धों से सम्बंन्धित लाइन, कार्य और लाइन एवं कर्मचारी संगठन के महत्व की विवेचना करें।

22. What do you understand by the term social security ? Discuss various social security measures taken by the government of India, protecting the interest of industrial workers.

सामाजिक सुरक्षा से आप क्या समझते हैं? औद्योगिक श्रमिकों के हितों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा उठाये गये सामाजिक सुरक्षा के विभिन्न कदमों की विवेचना करें।

23. What do you understand by Trade Unionism? Bring out the historical development of Trade union movement and its impact on the changing scenario of present industry.

श्रमिकसंघवाद से आप क्या समझते हैं? श्रमिक संघ के आन्दोलनों के ऐतिहासिक विकास को दर्शायें तथा वर्तमान उद्योग के बदलते परिदृश्य पर इसके प्रभावों की चर्चा करें?

24. What is Labour Welfare ? Explain various Labour Welfare Agencies, undertaking welfare activities for the betterment of Indian Industrial workers.

श्रमिक कल्याण क्या है? श्रमिक कल्याण की विभिन्न ऐजन्सियों द्वारा भारतीय औधौगिक श्रमिकों के सुधार के लिये उठाये गये कल्याणकारी कार्यो की विवेचना करें?

25. What is meant by Collective bargaining ? Discuss whether worker's participation in management is successful in the present context of industrial development in India.

सामूहिक सौदागिरी का क्या अर्थ है? भारत के वर्तमान विकास के संदर्भ में प्रबन्धन में श्रमिक सांझेदारी किस हद तक सफल रही है, इसकी विवेचना कीजिये?

OR / अथवा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Elective - III

विकल्प – III

Sociology of Development

विकास का समाजशास्त्र

21. Discuss in brief the different theories of development.

विकास के विभिन्न सिद्धान्तों की संक्षिप्त विवेचना कीजिये ?

22. Show how tradition is being displaced as a result of development processes in India.

भारत में विकास की प्रक्रियाओं के कारण किस प्रकार परम्परा का सरकाव हो रहा है ?

23. Critically examine the factors responsible for regional disparities in India ?

भारत में क्षेत्रीय असमानता के कारकों की समालोचनात्मक विवेचना करें।

24. Examine in brief Andr'e Gunder Frank's theory of under-development.

आन्द्रे गुन्दर फ्रैंक के अल्प विकास के सिद्धान्त की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये।

25. Critically evalute "Mixed-Model of Economy" as pracficed in India till recently.

भारत में अभी तक प्रचलित मिश्रित अर्थ–व्यवस्था के माडल का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Elective - IV

विकल्प – IV

Population & Society

जनसंख्या एवं समाज

21. Critically examine the impact of population growth on India's development.

भारत के विकास पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव की आलोचनात्मक व्याख्या करें।

22. What is population explosion ? Critically relate various factors responsible for the excessive growth of population in India since 1901.

जनसंख्या विस्फोट क्या है? सन् 1901 से भारत में अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के लिये उत्तरदायी कारणों की विवेचना करें।

23. Critically discuss Malthusian theory of population and relate it to various incidents happening around the world and particularly in India.

माल्थस के जनसंख्या के सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या करें और विश्व के विभिन्न क्षेत्रों विशेष कर भारत में घट रही घटनाओं में इस के सम्बन्ध को दर्शाएं।

24. Bring out the objectives of population education and suggest the means by which population education can be outreached to non-school going population.

जनसंख्या शिक्षा के उद्देश्यों की व्याख्या करें और स्कूल न जाने वाली आबादी तक जनसंख्या शिक्षा को पहुँचाने के लिये सुझाओं को प्रस्तुत करें।

25. Critically analyse the socio-cultural factors influencing fertility in India.

जननक्षमता को प्रभावित करने वाले सामाजिक – सांस्कृतिक कारकों की समालोचनात्मक व्याख्या करें।

OR / अथवा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Elective - V

विकल्प – V

Gender & Society

लिंग और समाज

21. Critically evaluate the effectiveness of government schemes meant for women's development.

महिला विकास के लिए उठाये गये शासकीय कार्यक्रमों की सार्थकता का मूल्यांकन करें।

22. "Gender roles in the family are hierarchic rather than complementary in nature." Comment.

''परिवार में लैंगिक भूमिका का स्वरुप पूरक नहीं होकर अधिक्रमात्मक होता है।'' टिप्पणी करें।

23. Distinguish between patriarchy and matriarchy and show how gender relations are determined in matrilineal societies.

पितृसत्ता और मातृसत्ता में विभेद करें तथा दर्शाएँ कि मातृवंशीय समाजों में लैंगिक संबंधो का निर्धारण किस प्रकार होता है।

24. Explain how the post-modernst approach is helpful in deconstructing patriarchal ideology ?

उत्तर-आधुनिकवादी उपागम किस प्रकार पितृसत्तात्मक सिद्धान्त के विखण्डीकरण में मदद करता है?

25. Critically evalute the different perspectives on gender and development.

लिंग एवं विकास से संबंधित विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp Your Personal Exams Guide

SECTION - IV

खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Write an essay on the emergence and consolidation of middle-castes in India ?

भारत में मध्य जातियों के उद्गमन तथा संगठन पर निबन्ध लिखें।

OR / अथवा

Write an essay on Indianisation of sociology.

समाजशास्त्र के ''भारतीयकरण'' पर एक निबन्ध लिखें ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

www.prepp.in

www.prepp.in

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....